आर. एन. आई. न. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष 14 अंक 26 लखनऊ शनिवार 14 अक्टूबर 2023 से 20 अक्टूबर 2023 तक पृष्ठ-8 मूल्य एक रुपया

उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर घटकर हुई २.६ फीसदी, सरकार को हासिल हुई बड़ी उपलब्धि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने समाज के हर वर्ग को रोजगार प्रदान करने में अभूतपूर्व प्रगति की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में साढ़े छह वर्ष में छह लाख से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान कर यूपी के युवाओं को सशक्त किया गया है। मिशन रोजगार के तहत कार्य कर रही योगी सरकार निरंतर युवाओं को नियुक्ति पत्र दे रही है। आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट के अनुसार २०१७–१८ में राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी दर ६.१ फीसदी थी, जो २०२२–२३ में घटकर ३.४ फीसदी हो गई है। वहीं उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो बेरोजगारी दर कम करने में राज्य ने अच्छा प्रदर्शन किया है। २०१७–१८ में यूपी में बेरोजगारी दर ६.४ फीसदी थी, जो २०२२–२३ से घटकर २.६ फीसदी हो गई है। इन आंकड़ों को देखें तो योगी सरकार द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चलाया जा रहा मिशन रोजगार अभियान प्रदेश में सफल रहा है। इसके जरिए गत साढ़े छह वर्ष में प्रदेश सरकार छह लाख युवाओं को सरकारी नौकरी से जोड़ी है। यही नहीं सरकार के प्रयासों का नतीजा रहा है कि प्रदेश में निजी क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है और नई नौकरियां एवं रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। इससे उत्तर प्रदेश में २०१७–१८ के सापेक्ष २०२२–२३ में बेरोजगारी दर में ३.८ फीसदी की कमी आई है। निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत यूपी में सीएम

योगी आदित्यनाथ द्वारा निरंतर युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा है। पुलिस विभाग में लगभग डेढ़ लाख से अधिक नौकरियां दी गईं। वहीं जुलाई–अगस्त में १३ हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया। अक्टूबर में ही ३६४ होम्योपैथिक फार्मासिस्ट व उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा चयनित २१६ प्रधानाचार्य को सीएम ने नियुक्ति पत्र दिया। वहीं ६ जून को ७१८२ एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्रियों, १० जून को एसजीपीजीआई में नवचयनित १४४२ स्टॉफ नर्सों, १७ जून को १०२ उद्यमी मित्रों को नियुक्ति पत्र व २३२ करोड़ की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया। ६ जुलाई को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित ११४८ पदों पर नियुक्ति पत्र, ८ जुलाई को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड द्वारा कुशल खिलाड़ी कोटे में चयनित २२७ आरक्षियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। १३ जुलाई को १६६ समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (सचिवालय प्रशासन विभाग), १८३ कनिष्ठ सहायक (परिवहन विभाग) एवं १२८ कनिष्ठ सहायक (निर्वाचन विभाग) समेत कुल ५१० लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। १५ जुलाई को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा ४०० नवचयनित, १८ जुलाई को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नवचयनित १५७३ एएनएम को नियुक्ति पत्र व २० जुलाई को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा ७०० नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सीएम योगी ने दिया।

पिछड़े जिलों में हो पर्याप्त टीचर्स की तैनाती, भरे जाएं रिक्त पद : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार की रात शिक्षा विभाग की समीक्षा की। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि पिछड़े जिलों में पर्याप्त शिक्षकों की तैनाती की जाएं। उन्होंने कहा कि पिछड़े जिले के सभी बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक व व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में प्रायरिटी के साथ पर्याप्त टीचर्स की तैनाती की जाए। सीएम ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में कहीं भी शिक्षकों या मानव संसाधन का अभाव न दिखे। सीएम ने बैठक में निर्माणाधीन विद्यालयों–

महाविद्यालयों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक की अद्यतन स्थिति जानी और शिक्षक व छात्र के अनुपात को मानक के अनुसार बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक ज्यादा हैं, उन्हें समायोजित किया जाए। सीएम योगी ने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षकों की तैनाती में हर हाल में मेरिट का ध्यान रखा जाए। वहीं जहां कहीं भी शिक्षक के पद खाली हैं, उनको तत्काल भरा जाए। इसके साथ ही अधिकारियों को सीएम योगी ने अन्य आदेश भी पारित किए।

हत्या के ४६ वर्ष पुराने मामले में ८० वर्षीय दोषी को आजीवन कारावास

शिकोहाबाद। फिरोजाबाद की जिला अदालत ने ४६ वर्ष पुराने हत्या के मामले में ८० वर्षीय दोषी को उम्रकैद की सजा सुनायी है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता नारायण शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि करीब ४६ साल पहले १४ सितंबर १९७४ को मीरा देवी नामक महिला ने जिले के नारखी थाने में एक मामला दर्ज कराया था जिसमें उसने आरोप लगाया था कि महेंद्र सिंह नामक व्यक्ति ने उसकी मां रामबेटी की गोली मारकर हत्या कर दी है। उन्होंने बताया कि जब मीरा देवी ने मामला दर्ज कराया था, उस वक्त नारखी थाना क्षेत्र आगरा जिले का हिस्सा था। बाद में मामला स्थानांतरित होकर फिरोजाबाद की अदालत में आया था। शर्मा ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेंद्र गुप्ता ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद बृहस्पतिवार को महेंद्र सिंह को दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस वक्त सिंह की उम्र ८० वर्ष है। शर्मा ने बताया कि सिंह पर २० हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

इजराइल और हमास जंग के बीच दिल्ली में हाई अलर्ट, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली। इजराइल और फिलिस्तीनी समूह हमास के बीच युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार की नमाज और संभावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा उपायों के तहत, संवेदनशील इलाकों में शुक्रवार की नमाज के दौरान दिल्ली पुलिस के जवानों को भारी बल के साथ तैनात किया जाएगा। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि टिस के अलावा, यहूदी धार्मिक प्रतिष्ठानों और इजराइल दूतावास में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी समेत कई देशों द्वारा इजराइल में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर संभावित यहूदी ठिकानों और फिलिस्तीनीसमर्थक प्रदर्शनकारियों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दिए जाने के बाद दिल्ली में सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। हमास द्वारा इजराइल पर आतंकवादी हमले के बाद, फ्रांस ने गुरुवार को सार्वजनिक व्यवस्था के हित में सभी फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया। हालाँकि, प्रतिबंध के आलोचकों ने कहा कि यह भाषण और सभा की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। इससे पहले दिन में, २१२ भारतीय नागरिक, जो चल रहे युद्ध के कारण इजराइल में फंसे हुए थे, को निकाला गया और दिल्ली में उतारा गया। उनके स्वागत के लिए केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर दिल्ली एयरपोर्ट पर मौजूद थे। चन्द्रशेखर ने हाथ जोड़कर वापस आये भारतीयों का अभिवादन किया। इसके बाद

उन्होंने छात्रों से बातचीत की। केंद्रीय मंत्री ने यात्रियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता अटूट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनकी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी सरकार किसी भी भारतीय को कभी पीछे नहीं छोड़ेगी। हमारी सरकार, हमारे प्रधानमंत्री उनकी रक्षा करने और उन्हें सुरक्षित घर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्पीकर हमारे आदेश को खारिज नहीं कर सकते, शिवसेना विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कई विधायकों की अयोग्यता की याचिका पर फैसला करने में देरी के लिए शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि स्पीकर शीर्ष अदालत के आदेशों को विफल नहीं कर सकते। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि किसी को स्पीकर को सलाह देनी होगी कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को खारिज नहीं कर सकते। स लिसिटर जनरल तुषार मेहता से इस मुद्दे पर निर्णय लेने की समयसीमा के बारे में अदालत को अवगत कराने को कहा। नाराज दिख रहे सीजेआई ने कहा कि अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला अगले विधानसभा चुनाव से पहले लेना होगा, नहीं तो पूरी प्रक्रिया निरर्थक हो जाएगी। पीठ ने कहा कि अगर वह अध्यक्ष की समयसीमा से संतुष्ट नहीं है तो वह निर्देश देगी कि निर्णय दो महीने के भीतर लिया जाये। जब भारत के संविधान के विपरीत कोई फैसला आता है तो

इस अदालत की आज्ञा चलनी चाहिए। पीठ ने संकेत दिया कि वह याचिका पर सोमवार या मंगलवार को सुनवाई कर सकती है। शीर्ष अदालत ने १८ सितंबर को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को शिंदे और अन्य विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर फैसले के लिए समयसीमा बताने का निर्देश दिया था।

सम्पादकीय

आखिर यह हालत देश को कहां ले जाएगी?

भारत में एक साल में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक धन वाले व्यक्तियों की संख्या २१६ बढ़ गई। २०२३ में भारत में इतनी कीमत वाले व्यक्तियों की संख्या १,३१६ तक पहुंच गई है। उसके पहले यह संख्या १,१०३ थी। २०२१ में पहली बार खरबपतियों की संख्या ने १००० का आंकड़ा पार किया था। ताजा हुरुन इंडिया रिच लिस्ट का निष्कर्ष है कि भारत में खरबपतियों की संख्या स्थिर गति से बढ़ रही है। चूंकि अब ध ान का संग्रहण मुख्य रूप से शेयर बाजार, ऋण बाजार, बॉन्ड मार्केट आदि में निवेश से होता है, इसलिए धन बढ़ने का यह अनिवार्य अर्थ नहीं होता कि उसका निवेश वास्तविक अर्थव्यवस्था में होगा, जिससे रोजगार पैदा होंगे और देश में कुल उपभोग एवं जीवन स्तर में बढ़ोतरी होगी। वैसे भी गुजरे कुछ वर्षों से भारत के सबसे धनी–मानी उद्योगपति विकसित बाजारों में निवेश करने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाने लगे हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि पिछले वित्त वर्ष में लगभग आठ लाख करोड़ रुपये का निवेश भारत से विदेश गया। नतीजा यह है कि एक तरफ देश में खरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, दूसरी तरफ हालत यह है कि आम उपभोग घटता जा रहा है। इस बात की पुष्टि एफएमसीजी कंपनियों की रिपोर्ट से हर महीने होती है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक आम उपभोग की चीजें बनाने वाली इन कंपनियों की बिक्री में इस वर्ष जुलाई से सितंबर की तिमाही में २.३ प्रतिशत की गिरावट आई। यह सूरत तब रही, जब सितंबर में उनकी बिक्री बढ़ी, क्योंकि किराना दुकानदारों ने त्योहारों के सीजन का पूर्वानुमान लगाकर अपना भंडार बढ़ाया। एमएमसीजी कंपनियों का कारोबार लोगों की वास्तविक आय पर निर्भर करता है, जिसमें महंगाई और रोजगार की खराब स्थितियों के कारण लगातार गिरावट आई है। तो उपरोक्त दोनों सूरतें भारत की वर्तमान कथा का हिस्सा हैं। इस कहानी को ठीक से समझना हो, तो कार बाजार पर ध्यान देना चाहिए, जहां सबसे महंगी कारों की मांग बढ़ती चली गई है, जबकि एंट्री–लेवल की कारों के खरीदार बमुश्किल मिल रहे हैं। चूंकि आज सार्वजनिक विमर्श में ऐसी चर्चाएं नहीं होतीं, लेकिन यह मुद्दा है: आखिर यह हालत देश को कहां ले जाएगी?

उपमुख्यमंत्री पाठक ने 'एक्स' पर अपने नाम से पहले 'सर्वेंट' जोड़ा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव के कटाक्ष के बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपने नाम से पहले 'सर्वेंट' जोड़ लिया है। यादव ने कहा कि अगर पाठक ने 'एक्स' पर अपने नाम के पहले 'सर्वेंट' जोड़ा है तो वह कल से खुद को सही मायने में 'पब्लिक सर्वेंट' बनकर दिखाएं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मौजूदा उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बीच वाक्युद्ध बुधवार को जयप्रकाश नारायण की जयंती पर शुरू हुआ था, जब यादव पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केन्द्र (जेपीएनआईसी) का गेट फांदकर अंदर पहुंचे थे और 'लोक नायक' की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया था। इस पर, पाठक ने तंज करते हुए कहा था, ''उनका (अखिलेश) कानून–व्यवस्था से कोई लेना–देना नहीं है। वह कभी कानून का पालन नहीं करते, बल्कि उसे तोड़ते हैं। अराजकता फैलाना सपा के इतिहास में शामिल है। अगर वह (अखिलेश) चढ़ने में इतने ही माहिर हैं तो उन्हें एशियाई खेलों में जाना चाहिये और भारत के लिये पदक जीतने चाहिये।'' पाठक के इस बयान पर सपा अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा था, ''हम सर्वेंट डिप्टी सीएम की बात का जवाब नहीं देते हैं। अगर चीजों के लिये कोई जिम्मेदार है तो मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) खुद जिम्मेदार हैं। अगर वह सड़क टूटने पर आरोपियों की जेब से भरपाई

करते हैं तो क्या वह जेपीएनआईसी और रिवर फ्रंट को हुए नुकसान की भरपाई नहीं करेंगे।'' खुद को 'सर्वेंट' कहे जाने पर पाठक ने सोशल मीडिया 'एक्स'(पूर्व में ट्विटर) पर अपने नाम के पहले 'सर्वेंट' जोड़ लिया। इससे पहले, उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट एक वीडियो में कहा, ''मैं सपा प्रमुख अखिलेश यादव का दिल से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने मुझे सर्वेंट डिप्टी सीएम कहा है। यह सही है कि मैं जनता के सेवक के रूप में, नौकर के रूप में जनता के हित के लिये काम करता हूं, जबकि अखिलेश यादव राजघराने से आते हैं और राजाओं की तरह व्यवहार करते हैं।'' पाठक ने वीडियो में कहा, ''अखिलेश के पिताजी कई बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। वह (अखिलेश) भी प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। मैं अखिलेश को इस बात के लिये धन्यवाद और आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने मुझे सर्वेंट डिप्टी सीएम बोला है।'' इस बीच, सपा प्रमुख ने पाठक द्वारा 'एक्स' पर अपने नाम में 'सर्वेंट' लगाने के बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे गये एक सवाल पर कहा, ''अगर उन्होंने 'एक्स' पर नाम में बदलाव किया है तो कल से वह सही मायने में पब्लिक सर्वेंट बनकर दिखाएं।'' सपा ने एक्स पर अखिलेश का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने बयान का बचाव किया। अखिलेश ने कहा, ''क्या वह (पाठक) सरकारी सेवक नहीं हैं? मैंने क्या गलत कहा? उन्हें तो ये बताना चाहिए था कि लोकनायक जयप्रकाश नारायणके नाम पर जो संग्रहालय बना उस पर ताला किसने लगाया? उत्तर प्रदेश में किसी भी सरकार ने पहले कभी ऐसा नहीं किया होगा कि किसी को किसी 'महापुरुष' से जुड़े कार्यक्रम में भाग लेने से रोका गया हो।''यादव ने स्वास्थ्य मंत्री का भी जिम्मा संभाल रहे पाठक पर निशाना साधते हुए कहा, ''किसी भी सरकारी अस्पताल में गरीबों का इलाज नहीं हो पा रहा है। किसी भी अस्पताल में अगर वहां दवा–इलाज मिल रहा हो, तो बताएं। जो डेंगू जैसी बीमारी से गरीबों को नहीं बचा पा रहे हैं वे एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की बात कर रहे हैं।

मरीज की मौत होने होने के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए किया हंगामा

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल में गुरुवार रात मरीज की मौत होने होने के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। परिजन गलत इलाज का आरोप लगा रहे थे। वहीं, संविदा पर तैनात नर्स ने मारपीट का आरोप लगाते हुए वजीरगंज थाने में तहरीर दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्नाव हसनगंज के मोहान रोड निवासी अमन (११) को तेज बुखार की शिकायत पर परिजनों ने बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया था। पिता लियाकत के मुताबिक अमन की हालत काफी गंभीर थी। वह ऑक्सीजन पर था। गुरुवार रात आठ बजे तक वार्ड में आउटसोर्स पर तैनात नर्स चित्रा, सुजान सिंह, विभा राय और वार्ड आया रीता ड्यूटी कर रही थीं। आरोप है कि इलाज में लापरवाही के चलते उसकी मौत हो गई। वहीं, नर्सों का आरोप है कि परिवारीजनों बिना बताए अमन के मुंह में लगे ऑक्सीजन मॉस्क को निकाल दिया। इससे मरीज बेहोश हो गया। मरीज की हालत देखकर ऑन ड्यूटी डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही तीमारदारों ने नर्स चित्रा का गला दबाते हुए मारपीट व गाली गालौज करते हुए हंगामा करने लगे। किसी तरह मौजूद अन्य स्टाफ ने तीमारदारों के चंगुल से नर्स चित्रा को बचाया। इस बीच जैसे–तैसे ड क्टर ने बच्चे की जांच की तो पाया की बच्चे की मौत हो चुकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया। परिजन बच्चे का शव लेकर चले गए। अब इस मामले में शुक्रवार को पीड़ित कर्मचारियों ने वजीरगंज पुलिस को तहरीर दी है।मामले की जानकारी हुई है। यदि पीड़ित नर्स शिकायत करती है तो जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। डॉ. अतुल मेहरोत्रा, सीएमएस बलरामपुर

इकाना स्टेडियम में फिर गूंजेगा चौके–छक्के का शोर

लखनऊ। इकाना में विश्वकप का दूसरा मुकाबला अब १६ को खेला जायेगा। एक बार फिर इस दिन यहां पर चौके–छक्कों का शोर गूंजेगा। इस बार आस्ट्रेलिया के

सामने श्रीलंका की चुनौती होगी। इस मुकाबले के लिए दोनों टीमें शनिवार को अभ्यास करेंगी। श्रीलंका की टीम दोपहर २ बजे से और आस्ट्रेलिया टीम के खिलाड़ी शाम को फ्लड लाइट में अभ्यास करेंगे। दोनों टीमों ने शुक्रवार को अभ्यास से दूरी बनाये रखी। आज खिलाड़ियों ने होटल में आराम किया। इकाना स्टेडियम बीते गुरुवार को खेले गए मुकाबले दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकाक ने शानदार पारी खेल कर सभी का दिल जीत लिया। यहां होने वाले दूसरे मुकाबले के लिए क्रिकेट प्रेमी बेताब हैं। आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच होने वाले मुकाबले के लिए दर्शक भी तैयार है। हालांकि इस मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस दिन बारिश की संभावना है। आस्ट्रेलिया टीम के खिलाड़ी लखनऊ गोल्फ क्लब पहुंचे। यहां पर उन्होंने गोल्फ में हाथ भी आजमाये। पैट कमिंस, वार्नर हेजलवुड के साथ अन्य खिलाड़ियों ने यहां पर लंबे श ट भी लगाये।

अगर हम इतने ही बुरे हैं तो तोड़ दें गठबंधन : डॉ. संजय निषाद

लखनऊ। बीजेपी सरकार में सहयोगी निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मंत्री डॉ. संजय निषाद ने बीजेपी नेताओं पर तंज कसा। उन्होंने कह कि बीजेपी के नेता बार बार कहते हैं कि डॉ. संजय निषाद में ये खराबी है वो खराबी है। अगर बीजेपी को हमने इतनी ही दिक्कत है तो निषाद पार्टी के साथ गठबंधन तोड़ दे। उन्होंने कहा कि बीजेपी एक बार बोल दे वो खुद इस गठबंधन से किनारे हो जाएंगे। वहीं उन्होंने आरोप लगाया कि २०१७ चुनाव में नेता विशेष ने भाजपा नहीं विपक्षियों के पक्ष में मतदान करवाया था। ऐसे लोग आगामी २०२४ लोकसभा चुनाव में पार्टी की नैया डुबो देंगे।

फर्जी निविदा आदेश से करोड़ों की ठगी के आरोपियों कोएसटीएफ ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने श्एक राष्ट्र, एक राशन कार्डश का फर्जी निविदा आदेश जारी करके करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह के मुख्य षड्यंत्रकर्ता समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई प्रधानमंत्री कार्यालय के आदेश के बाद की गयी है। एसटीएफ के आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उप सचिव के नाम से जाली निविदा आदेश जारी करके करोड़ों रुपयों की ठगी करने के आरोप में एसटीएफ ने १२ध्१३ अक्टूबर की दरम्यानी रात गिरोह के सरगना संतोष सेमवाल को दिल्ली, माया तिवारी को प्रयागराज और अभिषेक तिवारी को जौनपुर से गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने बताया कि इन आरोपियों के कब्जे से उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के जाली दस्तावेजों की प्रतियां बरामद की गयी हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसी साल जुलाई में एसटीएफ को एक पत्र भेजकर उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उप सचिव के नाम से श्एक राष्ट्र, एक राशन कार्डश योजना के जाली निविदा आदेश जारी करके करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे। सूत्रों ने बताया कि जांच में पता लगा कि गिरोह के सरगना संतोष सेमवाल ने उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उप

सचिव के नाम से फर्जी निविदा आदेश जारी करके उससे सम्बन्धित पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय से मिलते–जुलते नाम वाली ईमेल आईडी से भेजे थे और इसके जरिये उसने ५५ लाख रुपये की ठगी की थी। सूत्रों के अनुसार सेमवाल ने पूछताछ में एसटीएफ को बताया है कि वर्ष २०१८ में वह नौकरी के सिलसिले में दिल्ली आया था और वहां उसकी मुलाकात अनुज कुमार, माया तिवारी और राकेश अग्रवाल नामक व्यक्तियों से हुई। सूत्रों के अनुसार उसने बताया कि इन लोगों ने उसकी मुलाकात अरुण रावत से करायी और उसका परिचय प्रधानमंत्री कार्यालय में तैनात संयुक्त सचिव के रूप में कराया। सूत्रों के अनुसार सेमवाल ने पूछताछ में एसटीएफ को बताया कि एक दिन अरूण रावत ने उसे ई–राशन कार्ड से सम्बन्धित निविदा के बारे में बताया और कहा कि वह उसे यह टेंडर दिलवा सकता है जिसके लिए प्रति जोन दो लाख रुपये कमीशन और तीन लाख १५ हजार रुपये का डिमांड ड्राफ्ट लगेगा। सेमवाल ने बताया कि रावत ने उससे कहा कि वह जितने लोगों को लाएगा उतने के हिसाब से उसे कमीशन मिलेगा। सेमवाल ने बताया कि इसके बाद उसने, अभिषेक तिवारी और खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय में मुख्य सचिव बताने वाली माया तिवारी के साथ–साथ अरूण रावत और बृजेश ने श्एक राष्ट्र, एक राशन कार्डश योजना के फर्जी निविदा आदेश जारी करके करोड़ों रुपये की ठगी की और केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के प्रमुख सचिव, सचिव आदि के नाम के फर्जी अनुबन्ध पत्र तैयार करके ठगी के शिकार लोगों के व्हाट्सऐप और ईमेल पर भेजे। इस मामले में जौनपुर के सरांयख्वाजा थाने में मामला दर्ज करके कार्यवाही की जा रही है।

इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को देखने के लिए डॉक्टरों के पास फुरसत नहीं

लखनऊ। ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय में बुखार पीड़ितों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को देखने के लिए ड क्टरों के पास फुरसत नहीं है। जूनियर स्ट फ इमरजेंसी चला रहे हैं। शुक्रवार को बुखार से तप रहे बेटे को लेकर एक दंपती इमरजेंसी में पहुंचे। उसकी सांसे उखड़ रही थी। करीब २० मिनट तक किसी भी डॉक्टर ने उसे देखा तक नहीं। इस बीच दंपती मिन्नतें करते रहे। बेटे की बिगड़ती हालात को देख महिला का सब्र टूट गया। उसने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद मौके पर आई एक महिला डॉक्टर ने अ क्सीजन देकर स्थिति को संभालने की कोशिश की और किसी तरह इलाज शुरू हुआ। वहीं, एक अन्य बुखार पीड़ित मरीज को बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। मरीज को अस्पताल के जरिए एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं कराई गई। परिजन उसे ई–रिक्शा से लेकर गए। ठाकुरगंज संयुक्त अस्पताल १५० बेड की क्षमता का अस्पताल है। यहां २० बेड की इमरजेंसी भी संचालित होती है। गुरुवार को कैंपल रोड बालागंज निवासी दंपती दोपहर करीब दो बजे बेटे जहीब (१४) को लेकर इमरजेंसी में पहुंचे। जहीब को दो दिन से बुखार आ रहा था। सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। आरोप है कि करीब २० मिनट तक इलाज के लिए मिन्नतें करते रहे, लेकिन कोई चिकित्सक नहीं आया। हालांकि जूनियर ने पल्स बीपी की जांच कर वापस चला गया। दंपती का आरोप है कि इस दौरान एक महिला डॉक्टर अपने केविन में मौजूद थी। इसके बाद भी वह देखने नहीं आई। परेशान महिला ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद डॉक्टर ने मरीज को अ क्सीजन लगाकर राहत दिलाई। हालांकि बाद में उसे दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दे दी गई। बालागंज बरौरा के रहने वाले सत्यपाल (३५) को करीब एक सप्ताह से बुखार आ रहा था। पत्नी मोहनी में बताया कि पहले पास की एक क्लिनिक से दवा ली। फायदा न होने पर शुक्रवार सुबह करब ८:३० बजे ठाकुरगंज संयुक्त अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के नाम पर सिर्फ खून का सैंपल लिया गया। इस बीच मरीज के सिर में तेज दर्द होने लगा। जिसके बाद उसे बलरामपुर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यहां तक उसे अस्पताल की तरफ से एम्बुलेंस तक मुहैय्या नहीं कराई गई। आरोप है कि अस्पताल की सीएमएस डॉ. वसुध ा ने तो मिलने से ही इनकार कर दिया। हताश परिजन मरीज को ई–रिक्शा से ले गए। ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय में अव्यवस्थाओं की शिकायत पर गत १२ अगस्त को डीजी हेल्थ डॉ. दीपा त्यागी ने निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी में सामान्य मरीजों के साथ टीबी के मरीज भर्ती होने पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। डीजी ने इमरजेंसी को दो भागों में विभाजित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी यहां व्यवस्था पहले जैसी है। शुक्रवार को भी इमरजेंसी में टीबी का मरीज सामान्य मरीजों के साथ भर्ती थे। एक मरीज को खांसी के साथ खून आ रहा था। जिस पर कई अन्य मरीजों ने नाराजगी भी जताई। हालांकि इन सभी समस्याओं को लेकर। मामले पर जानकारी देते हुए स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ . दीपा त्यागी ने बताया कि अस्पताल से आ रही सभी शिकायतों का संज्ञान लिया जाएगा। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पराली जलाने पर किसानों पर दर्ज होगा मुकदमा, वसूल किया जुर्माना

लखनऊ। पराली जलाने पर किसानों से न केवल जुर्माना वसूल किया जाएगा, बल्कि उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज होगा। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने इस सिलसिले में अफसरों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव शुक्रवार को लोकभवन में वीडियो क न्फ्रेंसिंग के जरिए मंडलायुक्तों व जिलाधि ाकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर कड़ी निगरानी रखी जाए। किसानों को पराली प्रबंधन के उपायों के बारे में जानकारी मुहैया कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसानों से पराली न जलाने की अपील की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व ग्राम के लिए लेखपालों की जिम्मेदारी तय की जाए। ग्राम न्याय पंचायत, विकास खंड, तहसील व जिला स्तरीय टीमों का गठन कर जन जागरूकता व प्रवर्तन की प्रभावी कार्रवाई की जाए। एकल कृषि यंत्र व फार्म मशीनरी बैंक का प्रयोग फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को बताया जाए कि पराली जलाने की घटनाओं पर सैटेलाइट से लगातार निगरानी रखी जा रही है। पराली जलाने से कार्बन डाई ऑक्साइड व कार्बन मोनो

ऑक्साइड जैसी जहरीली गैस निकलती है। इससे पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, साथ ही सांस संबंधी कई बीमारियां फैलती हैं। पराली या फसलों के अवशेष को वेस्ट डिकम्पोजर के जरिए से खाद बनाकर उपयोग किया जा सकता है। बैठक में अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, सचिव कृषि राजशेखर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बुलडोजर चलने के बाद ही होगा ब्रम्हभोज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के देवरिया में दो अक्टूबर को जमीनी विवाद में छह लोगों की हत्या के १० दिन बीत जाने बाद भी मामला अभी ठंडा पड़ता नहीं दिखाई दे रहा है। इसी बीच सत्यप्रकाश दुबे के बेटे देवेश ने ऐलान किया है कि जब तक प्रेमचंद्र के घर पर बुलडोजर नहीं चल जाता, तब तक वह ब्रम्हभोज नहीं करेंगे। मृतक सत्य प्रकाश दुबे के बेटे देवेश ने कहा कि पूरे मामले में अभी सही तरीके से कार्रवाई नहीं हुई है। अगर ये घटना किसी प्रशासन वाले के घर के साथ हुई होती तो क्या प्रशासन चुप बैठता। या अन्य किसी और के साथ होता तो चुप बैठता। उन्होंने कहा कि घटना को हुए १० दिन हो चुके अब जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। देवेश ने कहा कि हमारे

मां–पिता और परिवार का नरसंघार हुआ है, उसे फांसी की सजा मिले या उसका एनकाउंटर हो। जिसने भी मेरे भाई और बहन को गोली मारी है, उसका मकान गिराया जाना चाहिए। प्रेम चंद्र यादव का घर भी गिराया जाना चाहिए। देवेश ने साफ कहा कि जब तब प्रेम चंद्र यादव के घर पर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक वह ब्रम्हभोज नहीं करेगा। उधर, सत्यप्रकाश दुबे के परिवार की श्रद्धांजलि सभा में राजनीतिक वार पलटवार पहले ही हो चुका है। दुबे की तरफ से भाजपा विधायक शलभमणि त्रिपाठी ने मोर्चा संभाल रखा है। इसके बाद सपा की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल पूर्व मंत्री ब्रम्हा शंकर त्रिपाठी की अगुवाई में फतेहपुर पहुंचा और पीड़ित दोनों परिवार के लोगों से मिला। इसके बाद पूरे मामले को सीबीआई को सौंपी जाने की मांग उठाई गई। उधर प्रेम चंद्र का परिवार बार बार घर गिराए जाने की बात को लेकर सहमे हुए हैं। प्रेम के बेटी ने कहा बार बार लोग बता रहे हैं कि घर गिरा दिया जायेगा। अगर ऐसा होगा तो परिवार के लोग बेघर हो जायेंगे। हमे पूरा विश्वास है कि इंसाफ मिलेगा। बेटी अर्चना ने कहा कि पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। गेट पर लाल निशान लगा दिया गया है। नोटिस चिपकी है। पिता जी राजनीति से जुड़े रहे हैं। सबके सुख दुख में आते जाते रहे हैं। इस कारण ब्रम्ह भोज में काफी लोग शामिल हो सकते हैं। बस प्रशासन उन्हें शामिल होने से न रोके, यह हमारा अनुरोध है। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रुद्रपुर क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए संघर्ष में एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, इसके साथ ही अब तक इस मामले में कुल २१ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अब अयोध्या में अरब देशों की तर्ज पर होंगी मस्जिद

नई दिल्ली। राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद मामले में वर्ष २०१६ में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था। इस फैसले के तहत मुस्लिम पक्ष को अयोध्या में पांच एकड़ जमीन मिली थी। इस जमीन पर मस्जिद बनाई जानी थी, मगर अब इस मस्जिद का डिजाइन बदल दिया गया है। पहले मस्जिद का डिजाइन आम तौर पर दिखने वाली मस्जिद की तरह था मगर अब इसका डिजाइन एकदम अलग हो गया है। यानी अयोध्या में अब मस्जिद आम मस्जिदों की तरह नहीं बल्कि नए रूप में दिखाई देंगी। अब यह मध्य–पूर्व और अरब देशों में बनने वाली भव्य मस्जिदों की तर्ज पर निर्मित होगी। अरब देशों में बनने वाली मस्जिदों के डिजाइन से प्रेरित होकर ही मस्जिदों का निर्माण होगा। सिर्फ यही नहीं मस्जिद का नाम पैगंबर मोहम्मद साहब के नाम पर रखा जाएगा। गौरतलब है कि अयोध्या के धन्नीपुर में मस्जिद के निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन मिली है। इस जमीन पर मस्जिद के अलावा अस्पताल तथा अन्य सुविधाओं का निर्माण होना है। इनके निर्माण के लिए गठित इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष जुफर फारुकी ने बृहस्पतिवार को पीटीआई– से बातचीत में कहा, मस्जिद–ए–अयोध्या का डिजाइन अब बदल दिया गया है।'' उन्होंने कहा कि पहले भारत में आमतौर पर दिखने वाली मस्जिदों की तर्ज पर ही अयोध्या में बनने वाली मस्जिद का डिजायन तय किया गया था, जो बेहद सरल था। मगर अब ट्रस्ट ने इसके डिजाइन में बदलाव कर दिया है। इसे मध्य–पूर्व और अरब देशों में बनने वाली भव्य मस्जिदों की तर्ज पर मस्जिद बनाने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि मस्जिद का नाम पैगंबर मोहम्मद बिन अब्दुल्ला के नाम पर रखा जाएगा। इस मस्जिद का डिजाइन पुणे के वास्तुकार द्वारा तैयार किया गया है। इस नए डिजाइन को मुंबई में गुरुवार को आयोजित की गई एक बैठक में फाइनल टच यानी अंतिम रूप दिया

गया है। बता दें पहले जो मस्जिद बन रही थी अब नई मस्जिद का साइज उससे अपेक्षोंत बड़ा होगा। नई मस्जिद डिजाइन के कारण अपने आकार में भी बड़ी होगी। इस मस्जिद का डिजाइन ऐसे बनाया गया है कि यहां अधिक जगह भी होगी। यहां एक साथ ५००० नमाजियों के नमाज अदा करने की जगह होगी। बता दें कि अयोध्या में बनने वाली इस मस्जिद के अंतिम रूप को फाइनल करने को लेकर आयोजित हुई बैठक में सुन्नी, शिया, बरेलवी और देवबंदी सहित सभी मुस्लिम मसलकों के लगभग एक हजार मौलवियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि इस मस्जिद के कैंपस में ही एक कैंसर अस्पताल बनाया जाएगा जो कि ३०० बेड से युक्त होगा। इस अस्पताल को स्थापित करने और उसके संचालन के लिए अंतर्राष्ट्रीय फार्मा कंपनी व कहार्ट ग्रुप के अध्यक्ष ड क्टर हाबील खुराकीवाला ने धर्मार्थ आध ार पर सहमति दे चुके है। बीते कुछ महीनों से ट्रस्ट देश के कई राज्यों से चंदा भी जुटा रहा है। संभावना है कि जल्द ही मस्जिद के निर्माण का काम शुरू हो जाएगा। बता दें कि नए नक्शे को अभी अयोध्या विकास प्राधिकरण से पास नहीं करवाया गया है। प्रस्तावित मस्जिद और अस्पताल का नक्शा अब भी अयोध्या विकास प्राधिकरण के पास है। मस्जिद ट्रस्ट को विकास शुल्क के रूप में प्राधिकरण को शुरुआत में एक करोड़ रुपये का भुगतान करना है, जिसके बाद नक्शा पास हो सकेगा। बता दें कि इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से भी सभी ड क्यूमेंट और जरुरी मंजूरी मिल चुकी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने मस्जिद और अस्पताल के निर्माण के सिलसिले में सभी आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिए हैं। उच्चतम न्यायालय ने नौ नवंबर २०१६ को अयोध्या मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए विवादित स्थल को हिंदू पक्ष को देने का आदेश दिया था। इसके अलावा राज्य सरकार को हुक्म दिया था कि वह मस्जिद बनाने के लिए अयोध्या के किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ जमीन मुहैया कराए।

एक ही परिवार से इतने सारे प्रधानमंत्री क्यों हुए : फडणवीस

मुम्बई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को सवाल किया कि कांग्रेस अगर 'जितनी आबादी, उतनी भागीदारी' के सिद्धांत में विश्वास करती है तो उसके शासनकाल में एक ही परिवार से 'इतने सारे' प्रधानमंत्री क्यों बने। महाराष्ट्र के वाशिम जिले में भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा द्वारा आयोजित 'ओबीसी जागर यात्रा' को संबोधित करते हुये फडणवीस ने कहा कि भाजपा शासन के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग को राजनीतिक सत्ता और कल्याण लाभों में पर्याप्त हिस्सेदारी मिल रही है। देश में जाति आधारित जनगणना पर जोर देने वाली कांग्रेस 'जितनी आबादी, उतनी भागीदारी' के नारे का इस्तेमाल कर रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके भाजपा नेता ने इस नारे का जिक्र करते हुये पूछा, ''फिर, इतने सारे प्रधानमंत्री केवल एक ही परिवार से क्यों आए। क्या वे इस प्रश्न का उत्तर देंगे।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की पार्टी (शिवसेना) ने एक समय मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि आज देश में ओबीसी प्रधानमंत्री

हैं और ऐसे नेता हैं जो ओबीसी के लिये काम करने के वास्ते खड़े हैं। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई योजनाओं का लाभ अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और ओबीसी तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि लगभग ६० प्रतिशत केंद्रीय मंत्री इन समुदायों से हैं। उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि इसी तरह, फसल बीमा का ७१ प्रतिशत लाभ इन समुदायों को जाता है और वे पीएम किसान सम्मान निधि के तहत ८० प्रतिशत लाभार्थी भी हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न शैक्षणिक छात्रवृत्ति के ५८ प्रतिशत लाभार्थी एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों से हैं। कांग्रेस के एक कार्यक्रम में स्थानीय पार्टी नेताओं के बीच हुयी झड़प का हवाला देते हुये फडणवीस ने कहा, ''(कांग्रेस नेता) राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं, लेकिन मोहब्बत किसी दुकान में नहीं होता है बल्कि इसे हमारे दिल में होना चाहिए और हमने कांग्रेस के प्रेम की दुकान कल नागपुर में देखी।'' उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस के १७ प्रतिशत मुख्यमंत्री ओबीसी थे, वहीं भाजपा के मामले में यह अनुपात ३१ प्रतिशत है। फडणवीस ने कहा कि भाजपा ने ओबीसी के लिए एक अलग मंत्रालय शुरू किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि मराठा और धनगर समुदायों को महाराष्ट्र में आरक्षण मिले।

कोर्ट ने संजय सिंह को चेताया, कहा- यदि आप अडानी और मोदी पर भाषण देना चाहते है तो.

राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को अदालत कक्ष में राजनीतिक भाषण नहीं देने की चेतावनी दी और कहा कि अगर ऐसे भाषण दिए जाते हैं, तो अदालत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उनकी पेशी का निर्देश देगी। न्यायाधीश ने यह टिप्पणी तब की जब संजय सिंह ने अदालत के समक्ष दावा किया कि ईडी ने 'अडानी के खिलाफ' एजेंसी को दी गई उनकी शिकायत पर काम नहीं किया। न्यायाधीश ने कहा, ष्कोई असंबद्ध मामला नहीं है। यदि आप अडानी और मोदी पर भाषण देना चाहते हैं। मैं अब से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने के लिए कहूंगा।' विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने संजय सिंह को २७ अक्टूबर, २०२३ तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जब जांच एजेंसी ने उन्हें पहले दी गई हिरासत में पूछताछ की अवधि समाप्त होने पर अदालत के सामने पेश किया। इस बीच, संजय सिंह के वकील ने अदालत से उन्हें महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया, भगत सिंह और अन्य द्वारा लिखी गई १६ अलग–अलग किताबें ले जाने की अनुमति देने के लिए एक आवेदन दायर किया। अदालत ने उन्हें जेल मैनुअल के अनुसार

किताबें और दवाएँ ले जाने की अनुमति दी। अदालत कक्ष में पेशी के दौरान आप नेता संजय सिंह ने दावा किया कि पहले दी गई हिरासत में उनसे पूछताछ के दौरान ईडी ने गैर–गंभीर और असंबंधित सवाल पूछे थे। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी शुक्रवार को दिल्ली शराब घोटाला मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया और ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई रिमांड को भी चुनौती दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ४ अक्टूबर, २०२३ को संजय सिंह को उनके दिल्ली आवास पर ईडी अधिकारियों द्वारा एक दिन की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। संजय सिंह की पार्टी के सहयोगी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी इसी साल मार्च में इसी शराब नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार किया गया था।

जालसाजी मामले में सपा नेता अब्दुल्ला आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान के खिलाफ उनके जन्म प्रमाण पत्र में कथित रूप से फर्जीवाड़ा करने के लंबित आपराधिक मामले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, और उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक को पिछले महीने शीर्ष अदालत द्वारा दिए गए अपने किशोर होने के दावे पर रिपोर्ट का इंतजार करने को कहा। अदालत ने यह टिप्पणी एक मामले में सपा नेता मोहम्मद आजम खान के बेटे की अर्जी पर विचार करते हुए की, जब इस साल फरवरी में उत्तर प्रदेश की एक अदालत ने उन्हें २००८ में एक धरने में भाग लेने और यातायात अवरुद्ध करने के लिए

दोषी ठहराया था। उन्हें २ साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। जिसके चलते उन्हें सुआर विधानसभा सीट से अयोग्य घोषित कर दिया गया। अप्रैल में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार करने के बाद, उसने यह दावा करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया कि अपराध के समय वह किशोर था। उनके दावे का परीक्षण करने के लिए, शीर्ष अदालत ने २६ सितंबर को मुरादाबाद जिला न्यायाधीश को किशोर न्याय अधि ानियम के तहत उनकी वास्तविक उम्र की जांच करने और अदालत को एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। बुधवार को अब्दुल्ला के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने शीर्ष अदालत से आग्रह किया कि जब तक उनकी उम्र पर रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक जन्म प्रमाण पत्र में कथित जालसाजी के लिए उनके खिलाफ कार्यवाही पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। मांग को ठुकराते हुए न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पीके मिश्रा की पीठ ने कहा कि हमें इस स्तर पर कोई अंतरिम आदेश देने का कोई कारण नहीं मिलता है। ट्रायल कोर्ट से रिपोर्ट (किशोर दावे पर) प्राप्त होने के बाद पहले के आदेश के अनुसार सुनवाई के लिए विशेष अनुमति याचिका पोस्ट करें।

पी२० की बैठक में बोले PM Modi, युद्ध से किसी का भला नहीं, आतंकवाद दुनिया के सामने बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी२० देशों की संसद के स्पीकर और संसदीय प्रतिनिधिमंडल के शिखर सम्मेलन में कहा कि यह दुनिया भर की विभिन्न संसदीय परंपराओं का एक अनूठा संगम है। उन्होंने कहा कि जी२० की अध्यक्षता ने पूरे वर्ष भारत में उल्लेखनीय गतिविधियां सुनिश्चित कीं, चंद्रमा की सतह पर उतरने में भारत को मिली सलफता ने जश्न को और बढ़ा दिया। मोदी ने कहा कि हमारे पास बहस, विचार–विमर्श की हजारों वर्षों की विरासत है, हमारे ५,००० वर्ष से भी पुराने कुछ ग्रंथों में ऐसी प्रणालियों का जिक्र है। उन्होंने कहा कि यह समिट एक प्रकार से दुनिया भर की अलग–अलग संसदीय प्रथाओं का महाकुंभ है। आप सभी प्रतिनिधि अलग–अलग संसदीय कार्यशैली के अनुभवी हैं। आपका इतने समृद्ध लोकतांत्रिक अनुभवों के साथ भारत आना हम सभी के लिए बहुत सुखद है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत उसके लोगों में, उसके लोगों की आकांक्षाओं में निहित होती है! आज ये शिखर सम्मेलन भारत के लोगों की शक्ति का जश्न मनाने का माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि समय के साथ भारत की संसदीय प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार हुआ है। ये प्रक्रियाएं

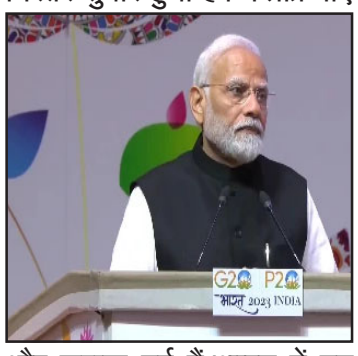

और सशक्त हुई हैं।भारत में हम लोग आम चुनाव को सबसे बड़ा पर्व मानते हैं। १९४७ में आजादी मिलने के बाद से अब तक भारत में १७ आम चुनाव और ३०० से अधिक राज्य विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि २०१९ के आम चुनाव में देशवासियों ने मेरी पार्टी को लगातार दूसरी बार विजयी बनाया है। २०१९ का आम चुनाव मानव इतिहास की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक अभ्यास थी। इसमें ६० करोड़ से अधिक वोटर्स ने हिस्सा लिया। मोदी ने कहा कि भारत चुनावों के दौरान पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए २५ वर्षों से अधिक समय से ईवीएम का उपयोग कर रहा है। २०२४ में आम चुनाव के दौरान करीब १०० करोड़ यानी १ अरब मतदाता वोट डालेंगे। मैं सभी प्रतिनिधियों को अगले आम चुनाव देखने के लिए भारत आने के लिए आमंत्रित करता हूं। इजरायल–हमास युद्ध के बीच मोदी ने कहा कि यह सबके कल्याण और विकास का वक्त है। आतंकवाद दुनिया के सामने बड़ी चुनौती है। युद्ध से किसी का भला नहीं हो सकता है। आतंकवाद मानवता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यह शांति और भाईचारे का समया है। उन्होंने कहा कि हमें वैश्विक विश्वास के संकट को दूर करना होगा और मानव विचारधारा को आगे बढ़ाना होगा। हमें विश्व को एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की भावना से देखना होगा।

सीएम योगी ने गोल्फ कार्टों को दिखाई हरी झंडी, श्रद्धालुओं को होगी सहूलियत

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मथुरा पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ ही सीएम योगी श्री बांके

बिहारी मंदिर गए। वहां उन्होंने लीलाधारी भगवान श्रींष्ण के दर्शन किए। उसके बाद वह श्रींष्ण जन्मस्थान पहुंचे, जहां उन्होंने दर्शन–पूजन किया। इसके अलावा सीएम योगी ने बांके बिहारी मंदिर के दर्शन एवं गोवर्धन परिक्रमा हेतु संचालित की जाने वाली गोल्फ कार्टों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे वृंदावन और गोवर्धन में यातायात व्यवस्था को पटरी पर आएगी और श्रद्धालुओं को सहूलियत होगी। यह गोल्फ कार्ट उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ विकास परिषद द्वारा खरीदी गई हैं।

जातीय जनगणना समाज को जोड़ेगी, सभी को मिलेगा हक और सम्मान : अखिलेश यादव

लखनऊ। देश में जातीय जनगणना को लेकर लगातार राजनीति हो रही है। क्षेत्रिय दलों की ओर से लगातार इसकी मांग भी की जा रही है। कांग्रेस भी इसके पक्ष में खुल कर खड़ी है। इसी को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि जातीय

जनगणना हमारे समाज को जोड़ेगी और जो व्यवस्था बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने की थी और जाति को आरक्षण दिया था। क्योंकि जातियों से पिछड़ापन है, जातियां पिछड़ी हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जब यह जातीय जनगणना हो जाएगी तो सभी जातियों को हक और सम्मान मिलेगा। दरअसल, अखिलेश यादव लखनऊ में ड राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। सपा प्रमुख ने कहा कि समाज को और देश को कोई दिशा दे सकता है आज की परिस्थितियों में तो वही सिद्धांत जो ड राम मनोहर लोहिया जी ने दिए। जो शोषित हैं, वंचित हैं, पीड़ित हैं, जिन्हें समाज में अभी भी वो हक और सम्मान नहीं मिला, उनके लिए ड लोहिया जी ने, नेता जी ने अपना पूरा जीवन लगाया और उन्हीं के समाजवादी सिद्धांतों को लेकर हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ड लोहिया जी ने वो रास्ता दिखाया जो आज भी प्रासंगिक है। आज भी अगर हम उस रास्ते पर चलें, उन सिद्धांतों पर चलें तो समाज की तमाम समस्याओं का समाधान हो सकता है। गैर बराबरी कोई खत्म कर सकता है तो लोहिया जी के सिद्धांत और नेताजी का संघर्ष, उसी का संकल्प हर साल हम लोग लेते हैं। इंडिया गठबंधन पर बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि जब साथ आने की बात हो गई, गठबंधन की बात हो गई तो सीटों का भी मसला कोई बड़ा नहीं है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी को घबराहट है कि बीजेपी का सफाया होता जा रहा है। लोकनायक जयप्रकाश जी की प्रतिमा को इस तरह से ढकना, टीन शेड लगाना, गेट पर ताला लगा देना, क्या नियत थी इनकी, क्या छिपाना चाहते थें? ड . राम मनोहर लोहिया का जन्म १९१० में हुआ था। लोहिया एक स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी विचारों को मानने वाले थे। उन्होंने वंचित समुदायों के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए भी काम किया और कांग्रेस के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम भी किया। १२ अक्टूबर १९६७ को उनका निधन हो गया था।

विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में फ्रांसीसी नागरिक, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी सहित सात गिरफ्तार

गोरखपुर। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी–एसटी) के लोगों के लिए सरकारी मदद की मांग को लेकर गोरखपुर जिला प्रशासन की अनुमति के बगैर आयोजित विरोध ा प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में पुलिस ने तीन यूट्यूब चौनलों के संचालकों, एक सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी और एक फ्रांसीसी नागरिक सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। 'अंबेडकर जनमोर्चा' द्वारा कथित तौर पर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए मंगलवार को आयुक्त कार्यालय में यह धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया था। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) कृष्ण कुमार विश्नोई ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने बुधवार को इस विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के आरोप में फ्रांसीसी नागरिक हेनोल्ड वेलेंटाइन जीन रोजर और सेवानिवृत्त आईपीएस एस. आर. दारापुरी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। दारापुरी २००३ में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद से विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अगले दिन बृहस्पतिवार को पुलिस ने दिल्ली और संत कबीर नगर से यूट्यूब चौनल चलाने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया। विश्नोई ने कहा, ''कैंट पुलिस ने गैरकानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।'' उन्होंने बताया, ''इस सिलसिले में पिछले दो दिनों में गिरफ्तार किए गए लोगों में एक फ्रांसीसी नागरिक, एक सेवानिवृत्त आईपीएस अफसर

और तीन यूट्यूबर सहित सात लोग शामिल हैं।'' पुलिस ने अब तक गिरफ्तार किए गए सात लोगों में से पांच (यूट्यूब चौनल संचालकों सहित) के नाम या उन आरोपों का खुलासा नहीं किया है जिनके तहत उन पर मामला दर्ज किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के भूमिहीन किसानों को भूमि आवंटन, ब्याज मुक्त ऋण, मुफ्त चिकित्सा उपचार और उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति सहित विभिन्न मांगों को लेकर लगभग १०० लोगों ने मंडल आयुक्त कार्यालय परिसर में हुए विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। फ्रांसीसी नागरिक रोजर को वीजा नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक विश्नोई ने बताया कि मंगलवार को अंबेडकर जनमोर्चा नामक संगठन ने अपनी मांगों को लेकर मंडलायुक्त कार्यालय परिसर में धरना–प्रदर्शन का आयोजन किया था। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि प्रदर्शनकारी लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन के लिए मौके पर तंबू लगा रहे हैं। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो प्रदर्शनकारियों में एक फ्रांसीसी नागरिक भी पाया गया। उसकी पहचान हेनोल्ड वेलेंटाइन जीन रोजर के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि पड़ताल के दौरान रोजर ने पासपोर्ट और वीजा दिखाया, जो वैध पाये गये। उसे कारोबार के सिलसिले में भ्रमण करने और बिहार के धनबाद जाने के लिये वीजा जारी किया गया था लेकिन वह धनबाद जाने के बजाय धरना–प्रदर्शन में शामिल होने के लिये गोरखपुर आ गया। विश्नोई ने बताया कि फ्रांसीसी नागरिक को वीजा नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि रोजर की गिरफ्तारी के बारे में फ्रांस के दूतावास को सूचना दे दी गयी है।

लघु उद्योगों को बताया महत्वपूर्ण–रीढ़ की हड्डी होते हैं ये उद्योगः सीएम योगी

आगरा। सीएम योगी आदित्यनाथ लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश उद्यमी महा अधिवेशन में शिरकत करने पहुंचे। आगरा में पहली बार प्रदेशभर के ५ हजार से अधिक लघु उद्यमियों ने प्रतिभाग किया। लघु उद्यमियों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि लघु उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। लघु उद्योगों से ही रोजगार सृजन और परिवारों का आर्थिक स्वावलंबन संभव है। साथ ही उद्यमियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि प्रदेश में कानून से खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नही जाएगा, चाहे वो कोई भी हो। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लघु उद्योग भारती के उद्यमी महा अधिवेशन में प्रदेशभर से आए उद्यमियों का ब्रजभूमि में प्रदेश सरकार की ओर से हृदय से स्वागत किया। उन्होंने उद्यमियों से संवाद करते हुए कहा कि ये मेरे लिए अमूल्य क्षण है। आज लघु उद्यमियों के साथ तीन महीने में अंदर आज तीसरी बार लघु उद्यमियों से संवाद करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आपने २१ से २५ सितंबर के बीच में ग्रेटर नोएडा में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो को देखा होगा। इसमें लघु उद्योग भारती भी सरकार की सहयोगी थी। इसमें उत्तर प्रदेश के २००० से अधिक एग्जीबिटर्स पूरे कार्यक्रम के भागीदार बने थे। वहीं विदेशों से भी ५०० से अधिक बायर्स ने ट्रेड शो में शिरकत की थी। चार दिनों में ५ लाख से अधिक बायर आए थे, उन्होंने उत्तर प्रदेश की सामर्थ्य को देखा था। मुख्यमंत्री ने हाल ही में भदोही में आयोजित हुए इंटरनेशनल कारपेट एक्सपो का

जिक्र करते हुए कहा कि पहले वहां के उद्यमियों को देखकर लगा कि कैसे उनकी उपेक्षा होती थी। भारत प्रतिवर्ष १७ हजार करोड़ का कारपेट एक्सपोर्ट करता है। जिसमें अकेले भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी से १० हजार करोड़ रुपए का कारपेट का एक्सपोर्ट होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। कम खर्च में पर्यावरण के सभी मानकों को पूरा करते हुए कम स्थान में ज्यादा रोजगार का सृजन और ज्यादा परिवारों को आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर करना, यह सब लघु उद्योग के माध्यम से ही संभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि यूपी तो प्राचीन काल से ही लघु उद्योगों की आधारभूमि रही है। अलग– अलग प्रकार के उद्योग, अलग– अलग क्षेत्रों में रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने ऐसे लघु उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए मोदी जी के प्रेरणा से हमारी सरकार ने २०१८ में एक जिला, एक उत्पाद की योजना की शुरुआत की थी। ओडीओपी के माध्यम से परंपरागत उद्योगों को प्रोत्साहन देने, उन्हें टेक्नोल जी, डिजाइन, पैकेजिंग के प्रशिक्षण और उनको मार्केट उपलब्ध कराया जा सके, इसके लिए सरकार के स्तर से प्रयास प्रारंभ हुआ था। आज उसके परिणाम हम सबके सामने है। आज ओडीओपी योजना से उत्तर प्रदेश पिछले पांच वर्ष में अपने एक्सपोर्ट को २५० गुना बढ़ाने में सफल रहा है। उतर प्रदेश जैसे बीमारू राज्य को हमने इन उद्यमियों के परिश्रम से आर्थिक रूप से समृद्ध बनाया। २०२० में एमएसएमई प लिसी में एक हजार दिनों तक कोई एनओसी की जरूरत नही है, अब सारी सुविधाएं उद्यमियों को दी जा रही है। मिशन के अंतर्गत तेजी से आगे बढ़ रहा है। आगरा, कानपुर, वाराणसी में फ्लेटेड फैक्ट्री का निर्माण हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार की अपराध ा के प्रति जीरो ट लरेंस की नीति नजीर बनी है। हम सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे, चाहे वो कोई भी हो। अगर किसी ने खिलवाड़ किया तो उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। २०२३ के चुनाव में पहली बार हुआ कि कानून व्यवस्था चुनावी मुद्दा बने और जनता प्रदेश सरकार के साथ खड़ी दिखे। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि अगर आप उद्योग लगाना चाहते हैं या लगाया है। किसी स्थानीय संस्थान से आपका टाई–अप हो जाए तो वहां के बच्चे आपको मैन पावर की आसानी से सुविधा उपलब्ध करा सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान जिन बच्चों को रखेंगे, जिस दौरान से काम करेंगे, अगर इनका रजिस्ट्रेशन कराते हैं तो, आधा मानदेय सरकारी देगी। इससे फायदा होगा कि हमारे पास अनुभवी लोगों की टीम खड़ी होगी। अपने युवाओं को अधिक से अधिक प्रशिक्षित करते हैं तो इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे। इस दौरान लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष मधुसूदन दादू ने कहा कि महाधिवेशन में सहभागिता करने वाले १५०० से अधिक लघु उद्यमी अपने–अपने क्षेत्र के विकास, समस्या और भविष्य पर चिंतन करेंगे। प्रदेश के औद्योगिक विकास को कैसे विस्तार किया जाए। इस पर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी से मार्गदर्शन लिया जाएगा। आयोजन में राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा और राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद भी आएंगे। साथ ही सरकार के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। लघु उद्योग भारती के प्रदेश सचिव मनीष अग्रवाल ने बताया कि लघु उद्योग महाधिवेशन के पहले सत्र में प्रदेशभर से आए उद्यमियों ने अपने–अपने संभाग की जानकारी दी। साथ ही भविष्य की योजना और लक्ष्य तय किए। दूसरे सत्र में प्रदेश के प्रमुख अधिकारियों के साथ वार्ता की गई। जिसमें लघु उद्योगों की स्थापना या संचालन में आने वाली समस्याओं को रखा गया। वहीं तीसरे सत्र में उद्यमियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का सानिध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। फतेहाबाद रोड स्थित केएनसीसी में आयोजित उद्यमी महा अधिवेशन में के ६० जिलों से १५०० से अधिक लघु उद्यमी सहभागिता की।

अद्भुत घड़ी : उल्कापिंडो से बनी घड़ी

अमरेन्द्र सहाय अमर

आज कल समय की जानकारी के लिए बहुत से साधन हैं, जैसे मोबाइल, दीवाल घड़ी, अलार्म वाच, टेबल वाच आदि. लेकिन

समय की जानकारी देने के लिए रिस्ट वाच यानि कलाई घड़ी कीआज भी कोई सानी नहीं .इसे अपनी कलाई में बंधना लोग अपनी न सिर्फ शान समझते है अपितु अपनेदैनिक कार्यक्रम का शेडयूल बनाने में बड़ी सहायता मिलती है. एक वक्त था जब विज्ञान इतना विकसित नहीं था. तब भी लोग समय की जानकारी करते थे.प्राचीन काल में लोग आसमान के सूर्य की स्थिति को देख कर समय की जानकारी करते थे. मतलब जब सूर्य की छायाकिसी वस्तु , स्तम्भ या दीवाल से गुजरती थी तो एक छाया बनती थी. जैसे ही पृथ्वी के घूमने के कारण सूर्य आकाश में अपनी दिशा बदलता छाया की लम्बाई भी बदल जाती. आगे चल कर इसी आधार पर सूर्य घड़ी बनाई गई. पहली यांत्रिक घड़ी का निर्माण वर्ष१३००के दशक में हुआ था. वर्ष१५०० में के दशक में कुंडलित स्प्रिंग और झूलते वजन द्वारा संचालित घड़िया प्रचलन में आई थी, जो आज भी अपने विकसित रूप में हमारी दीवालों पर देखी जा सकती हैं. वर्ष१८००के अंतिम दशक और वर्ष १६०० के प्रारंभिक दशक में बिजली चालित घड़ियाँ प्रचलन में आई. यह आज भी प्रचलित हैं. वर्ष१६५० के दशक में परमाणु घड़ी का विकास हुआ जो सबसे सटीक समय बताने वाली घड़ी मानी जाती है. घड़िया किसी न किसी धातु से बनती हैं जैसे मिश्रित धातु, स्टील, सोना, चांदी, हीरा आदि. चमड़े से भी घड़ी बनाई जाती है. लेकिन अभी स्विट्जरलैंड की एक कम्पनी एटेलियर्स लुइस मोइनेट ने एक ऐसी घड़ी बनाई है जिसमे उल्कापिंडो के टुकड़ों का प्रयोग किया गया है. इस घड़ी का नाम है कास्मोपोलिस. इसकी डिजाइन तैयार करने में खास सावधानी बरती गई. १८ कैरेट रोज गोल्ड के केस के रूप में सेलेक्ट किया गया .इसके बाद बेहद सावधानी पूर्वक उल्कापिंडो को काटकर इसमें लगाया गया. इसकी कीमत है भारतीय मुद्रा में दो करोड़ रूपये. इस घड़ी की खासियत यह है इसमें १२ उल्कापिंडो के पत्थरों को जोड़ा गया है . बताया जाता है कि यह उल्कापिंड चंद्रमा, मंगल से लेकर अन्तरिक्ष के कई हिस्सों से आकर पृथ्वी पर आकर गिरे थे. कम्पनी ने यह घड़ी बनाकर दुनिया के लोगो को हैरान कर दिया इसे गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में सम्मिलित किया गया है. एक रिपोर्ट के अनुसार इस घड़ी में चंद्रमा के उल्कापिंड ढोफर ४६१, मंगलग्रह के उल्कापिंड ढोफर १६७४के टुकड़े लगाये गये हैं. ढोफर १६७४ ओमान के पास पाया गया था. यह मंगल ग्रह के सबसे दुर्लभ उल्कापिंडो में से एक है जिसके बनावट हलके हरे रंग की है. इसके अलावा इस घड़ी में एलेंडे नाम के एक उल्कापिंड का टुकड़ा भी लगाया गया है, यह मेक्सिको में मिला था. इस उल्कापिंड के बारे में अनुमान यह लगाया गया है कि यह ४,५६७ अरब साल पुराना है और सौरमंडल का सबसे पुराना और दुर्लभ उल्का पिंड में से एक है।

राजस्व मामले में अब 'तारीख पर तारीख' नहीं, सीएम योगी

लखनऊ। राजस्व मामलों में विवादों के निपटारे के मामले में अब उत्तर प्रदेश में 'तारीख पर तारीख' की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाम का स्थानांतरण, विरासत, पारिवारिक बंटवारा और पैमाइश से जुड़े राजस्व मामलों के निस्तारण में देरी पर कड़ी नाराजगी जताई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजस्व मामलों में 'तारीख पर तारीख' देने का चलन स्वीकार नहीं किया जा सकता। सीएम ने लेखपालों, राजस्व निरीक्षकों जैसे राजस्व कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी और कहा कि मंडलायुक्तों और जिला मजिस्ट्रेट को भी आवश्यकता के अनुसार जवाबदेह ठहराया जाएगा। सीएम की यह चेतावनी देवरिया और कौशांबी के मद्देनजर

आई है, जहां संपत्ति विवाद के कारण खून–खराबा हुआ। मुख्यमंत्री ने गुरुवार शाम को वीडियो क न्फ्रेंसिंग के जरिए जिलाधिकारियों को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने मुद्दों के समाधान में देरी पर नाराजगी जताई। जनता दर्शन में हाल के दिनों में आए आवेदनों की जानकारी देते हुए और आईजीआरएस की परफ रमेंस रिपोर्ट जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जनता के लिए तैनात हैं। जनता से मिलना और उनकी समस्याओं का समाधान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अलावा सीएम योगी ने कहा फील्ड में तैनात जो अधिकारीध्कर्मचारी ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें तत्काल फील्ड पोस्टिंग छोड़ देनी चाहिए।

69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने किया मुख्यमंत्री आवास का घेराव

लखनऊ। ६९००० शिक्षक भर्ती में एक अंक विवाद के अभ्यर्थियों ने अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया। मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें मुख्यमंत्री चौराहे पर ही रोक लिया। इसके बाद नियुक्ति न मिलने से नाराज अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री चौराहे पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने हाथ जोड़कर सीएम योगी से अपनी नियुक्ति की गुहार लगाई। वहीं कई महिला अभ्यर्थियों ने रो–रोकर गिड़गिड़ाते हुए नियुक्ति की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान एक अभ्यर्थी जिसका नाम मानसिंह बेहोश हो गया। साथी अभ्यर्थी ने बताया कि उसे हार्ट की समस्या है। ऐसे में पुलिस ने अभ्यर्थी को गाड़ी से अस्पताल भेज दिया। बता दें कि ६९००० शिक्षक भर्ती में एक अंक विवाद के अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति को लेकर लगातार ६६ दिनों से ईको गार्डन में धरना दे रहे हैं। वहीं गुरुवार को अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया था। इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग ने उन्हें वार्ता कराने की बात कहकर उन्हें वापस जाने की बात कहीं। लेकिन वार्ता के दौरान स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद के मौखिक बयान से नाराज होकर भारी संख्या में अभ्यर्थी आज सुबह सीएम योगी से गुहार लगाने के लिए मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें चौराहे पर

रोक लिया। इस दौरान सभी अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गए और सीएम योगी से नियुक्ति की मांग को लेकर गुहार लगाई। इसके बाद पुलिस अभ्यर्थियों को जबरदस्ती पकड़कर पुलिस वैन में भरने लगी। ऐसे में कई अभ्यर्थी बीच सड़क पर लेट गए और नारेबाजी करने लगे। वहीं कई महिला अभ्यर्थियों ने रो रोकर सीएम योगी से अपनी नियुक्ति की मांग उठाई। इसी बीच एक अभ्यर्थी बेहाल होकर बेहोश हो गया। हालांकि पुलिस ने सबको पुलिस वैन में भरकर ईको गार्डन भेज दिया। वहीं बेहोश हुए अभ्यर्थी को अस्पताल भेज दिया। अभ्यार्थियों का कहना है कि बेसिक शिक्षा विभाग एक अंक विवाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी दरकिनार करते हुए उन्हें नियुक्ति नहीं दे रहा है। ११ महीनों से नियुक्ति को लेकर सभी अभ्यर्थी दर–दर भटक रहे हैं। लेकिन उनकी मांगों को अनसुना किया जा रहा है। स्कूली शिक्षा महानिदेशक से लेकर शिक्षा मंत्री से कई बार मुलाकात की। लेकिन, हर बार आश्वासन देकर मामले को टाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों से मुलाकात के दौरान उनके साथ बदसलूकी से बात की जाती है और सभी अभ्यर्थियों पर मुकदमा कराने की धमकी दी जाती है। वहीं सीएम योगी से गुहार लगाते हुए कहा कि ११ महीनों से सभी अभ्यर्थी धरना दे देकर त्रस्त हो गए हैं। ऐसे में उन्हें आर्थिक, सामाजिक और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जल्द से जल्द उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार बेसिक शिक्षा विभाग में नियुक्ति दी जाए।

ट्रक ने कार को पीछे से मारी टक्कर, एक की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ है। एक कार डंपर से टकराने के बाद उसके नीचे घुस गई । जिसमें कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा विभूति खंड थाना क्षेत्र स्थित समिट बिल्डिंग के पास शहीद पथ पर होना बताया जा रहा है। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया है। घायल की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।वही मृतक शख्स के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि यह घटना शुक्रवार सुबह की है। शहीद पथ पर दर्दनाक हादसा हुआ। कानपुर की तरफ से कमता की ओर जा रहे तीन वाहन समिट बिल्डिंग के पास टकरा गए। इससे एक कार डंपर के नीचे आ गई। कार में दो लोग सवार थे। जिसमें एक की मौके पर मौत हो गई। वहीं बुरी तरह से घायल दूसरे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार में फंसे शव को निकालने के लिए उसे काटना पड़ा।

लखनऊ में कड़ी सुरक्षा के बीच पढ़ी गई जुमे की नमाज

लखनऊ। इजराइल और हमास के बीच जारी लड़ाई को लेकर राजधानी में जुमे की नमाज के दौरान कड़ा सुरक्षा बंदोबस्त किया गया। शुक्रवार को इमामबाड़े समेत सभी मस्जिदों के बाहर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात किये गए। जुमे की नमाज के दौरान फिलिस्तीन पर हो रहे हमलों की नमाजियों ने कड़ी निंदा की। सभी ने वहां अमन–चौन कायम रखने की दुआ मांगी। नमाज के दौरान कई लोगों के हाथ में ऐसे पोस्टर भी नजर आये जिनपर फिलिस्तीन पर हमले बंद करने की बात लिखी थी। इस मौके पर मुस्लिम धर्मगुरू मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि किसी पर भी जुल्म करना गलत है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में शांति का वातावरण हो इसके लिए हम दुआ करते हैं। नमाजियों ने फिलिस्तीन का समर्थन करते हुए कहा कि वो लोग अपनी छीनी गई जमीन को वापस लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं,ऐसे में उन्हें आतंकवादी कहना गलत है।

दरगाह दीवान ने संरा, भारत सरकार से इजराइल, फलस्तीन के बीच संघर्ष रोकने को तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया

नई दिल्ली। अजमेर दरगाह दीवान जैनुल आबेदीन अली खान ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार से इजराइल और फलस्तीन के बीच संघर्ष को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने क्षेत्र में जानमाल के नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अनुचित है और इस्लाम एवं यहूदी धर्म दोनों के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने एक बयान में कहा, ''मैं दोनों पक्षों से हाथ जोड़कर अपील करता हूं कि वे अपने–अपने धर्म और मानवता की खातिर इस रक्तपात को रोकें।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस्लाम में हिंसा की सख्त मनाही है और निर्दोष लोगों की जान बचाने के लिए यह युद्ध बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक धर्म किसी भी रूप में हिंसा से घृणा करता है। निर्दोष लोगों की जान बचाने के लिए यह युद्ध रुकना चाहिए।

अर्श डल्ला गिरोह के दो करीबी खालिस्तानी गैंगस्टर दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने गुप्त सूचना के आधार पर खालिस्तानी आतंकवादी अर्श दल्ला गिरोह के दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक जिंदा हैंड ग्रेनेड, एक पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किये गये। अधिकारियों के अनुसार, सीआई, स्पेशल सेल की टीम ने आउटर रिंग रोड पर दोनों को रोका और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, तो ेष्ण ने पुलिस टीम की ओर एक राउंड फायरिंग की। दूसरे गैंगस्टर ने अपने बैग से एक जिंदा हैंड ग्रेनेड निकाला, लेकिन इससे पहले कि वह सेफ्टी पिन खींच पाता, टीम ने उन्हें काबू कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने एएनआई को बताया कि टीम ने दोनों को आउटर रिंग रोड पर रोका और जब उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, तो ेष्ण नामक व्यक्ति ने पुलिस टीम की ओर एक राउंड फायरिंग की। अचानक, दूसरे गैंगस्टर ने अपने बैग से एक जिंदा हैंड ग्रेनेड निकाला, लेकिन इससे पहले कि वह सेफ्टी पिन खींच पाता, टीम ने उन्हें काबू कर लिया। उनके पास से एक जिंदा हैंड ग्रेनेड, एक पिस्तौल और ५ जिंदा कारतूस बरामद किये गये. कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अर्श दल्ला गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक जिंदा हैंड ग्रेनेड, एक पिस्टल और ५ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इससे पहले भी दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने कनाडा में स्थित अर्श डल्ला–सुक्खा दुनेके गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया था और उनमें से एक पिछले साल मार्च में ब्रिटिश कबड्डी टीम के कप्तान संदीप नांगल अंबियान की हत्या में शामिल था। पंजाब के सबसे वांछित अपराधियों में से एक गैंगस्टर सुखदुल सिंह उर्फ सुक्खा दुनेके की २० सितंबर को कनाडा के शहर विन्निपेग में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी। अधिकारियों के अनुसार, यह हत्या गिरोहों की आपसी रंजिश के चलते की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान हरजीत सिंह उर्फ हैरी और हैरी राजपुरा उर्फ बड़ा हैरी के रूप में हुई है।

सीएम योगी ने 219 प्रधानाचार्यों को सौंपा नियुक्ति पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब तक नए शिक्षकों की नियुक्ति न हो जाए तब तक सेवानिवृत्त शिक्षकों से ही सेवाएं ली जाएं। उन्हें एक फिक्स मानदेय दिया जाए। लोकभवन में मिशन रोजगार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित २१६ प्रधानाचार्यों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में माध्यमिक शिक्षा के क लेज नकल के अड्डे बन गए थे, जिनमें ठेके पर नकल कराई जाती थी।पिछले छह वर्षों में इसमें सुधार हुआ है। गत वर्ष माध्यमिक शिक्षा परिषद के द्वारा संपन्न हुई हाई स्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा देश में एक नजीर बनी है। परिषद ने १५ दिन के अंदर ५६ लाख विद्यार्थियों की नकल विहीन परीक्षा कराई और १५ दिन के अंदर ही परिणाम भी दे दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य शिक्षण संस्थान की रीढ़ होते हैं। अगर प्रधानाचार्य अनुशासित रहकर कॉलेज में नई गतिविधियों और नवाचारों को बढ़ावा देते हैं तो उसके सार्थक परिणाम सामने आते

हैं। प्रधानाचार्यों को विद्यालयों को रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनाकर अभिभावकों से संवाद करना चाहिए। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ–साथ देश–दुनिया और युवा कल्याण एवं महिला कल्याण से जुड़ी सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी देनी चाहिए। इससे विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ–साथ जागरुकता भी आती है और प्रधानाचार्य का कार्यकाल भी यादगार बनता है। योगी ने कहा कि यह वही उत्तर प्रदेश है, जहां पिछली सरकारों में सुरक्षा में सेंध लगती थी। प्रदेश के नागरिक अपने आपको सुरक्षित नहीं महसूस कर पाते थे। अव्यवस्था और अराजकता का वातावरण होता था। दंगे और भ्रष्टाचार यहां की पहचान थे। निवेशक प्रदेश छोड़कर जा रहे थे। हमारी सरकार ने जब सुरक्षित माहौल दिया तो प्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से ३८ लाख करोड़ रुपये का निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। इससे एक करोड़ से ज्यादा युवाओं को नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि विगत छह वर्ष में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हमारी सरकार छह लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने में सफल रही है। इसमें १६४००० शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आध्यात्मिक और सांस्ंतिक विरासत का केंद्र है। देश में सबसे ज्यादा आध्यात्मिक पर्यटन यहीं है, जिसमें भारी बढ़ोतरी हुई है। २०१७ के पहले तक उत्तर प्रदेश में सिर्फ डेढ़ से दो करोड़ पर्यटक ही आते थे। आज यह संख्या बढ़कर एक वर्ष में ३० करोड़ पर्यटकों की हो चुकी है। प्रदेश में एक पर्यटक के आने से विभिन्न तरह के रोजगार सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि अगर सामूहिक रूप से प्रयास किए जाएं तो उत्तर प्रदेश देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके हर क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को अपने स्तर पर कार्य करने होंगे। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा का केंद्र रहा है। आजादी के समय देश के विभिन्न राज्यों में शिक्षकों की आपूर्ति उत्तर प्रदेश करता था। हमें फिर से उस दिशा में प्रयास करते हुए अनुशासित और राष्ट्र भक्त नागरिकों की फौज खड़ी करनी होगी। कार्यक्रम में माध्यमकि शिक्षा की राज्यमंत्री गुलाबो देवी, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार, शिक्षा विभागी के अधिकारी और चयनित प्रधानाचार्य मौजूद थे।

टीजर लॉन्च से पहले विक्की कौशल ने शेयर किया नया 'सैम बहादुर' पोस्टर

मुम्बई। बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल, जिन्हें हाल ही में 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में देखा गया था, अपनी अगली रिलीज 'सैम बहादुर' के लिए तैयार हैं। उन्होंने गुरुवार

को फिल्म का एक नया पोस्टर शेयर किया। फिल्म में विक्की पूर्व सेना प्रमुख सैम मानेकश के मुख्य किरदार में है। शुक्रवार को फिल्म के टीजर लॉन्च से पहले पोस्टर शेयर किया गया। पोस्टर में वह खुले मैदान में कैमरे की ओर पीठ करके खड़े हुए नजर आ रहे है। पोस्टर पर लिखा है "जिंदगी उनकी, इतिहास हमारा।" पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए विक्की ने कैप्शन में लिखा, "अच्छी तरह से जीने के लिए। सैम मानेकश , एक भारतीय युद्ध नायक, १६७१ के भारत– पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय सेना के सेनाध्यक्ष थे। वह फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत होने वाले पहले भारतीय सेना अधिकारी बने। उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध में सेवा के साथ अपना करियर शुरू किया और उनका सक्रिय सैन्य करियर चार दशकों और पांच युद्धों तक फैला रहा। फिल्म के टीजर भारत–पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के दौरान लॉन्च ग्राउंड पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म में विक्की कौशल के अलावा एक्ट्रेस फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा भी नजर आएंगी। मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नीरज काबी, एडवर्ड सोनेनब्लिक, रिचर्ड भक्ति क्लेन, साकिब अयूब और ष्ण कांत सिंह बुंदेला भी हैं। यह फिल्म १ दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी जहां इसकी टक्कर रणबीर कपूर–स्टारर गैंगस्टर फिल्म 'एनिमल' से होगी।

माइकल डगलस को मिलेगा सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन लाइफटाइम अवार्ड

मुम्बई। 'द सेंटिनल', 'द अमेरिकन प्रेसिडेंट', 'डिस्क्लोजर' और अन्य फिल्मों से पहचान बनाने वाले हॉलीवुड अभिनेता माइकल डगलस को प्रतिष्ठित सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अव र्ड से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का ५४वां संस्करण इस साल गोवा आयोजित किया जाएगा। इससे पहले स्पेनिश फिल्म निर्माता–लेखक कार्लोस सौरा को आईएफएफआई के ५३वें संस्करण के दौरान सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया था। महोत्सव के आगामी संस्करण में माइकल डगलस को सम्मानित किए जाने की खबर साझा करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री, अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखा मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि माइकल डगलस, प्रतिष्ठित हॉलीवुड अभिनेता और निर्माता को ५४वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा में प्रतिष्ठित सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने आगे उल्लेख किया हमारे देश के प्रति उनका गहरा प्रेम सर्वविदित है। हम हमारी समृद्ध सिनेमाई संस्ंति और अनूठी परंपराओं

को प्रदर्शित करने के लिए दक्षिण एशिया के सबसे प्रमुख फिल्म महोत्सव में उनका, कैथरीन जेटा जोन्स और उनके बेटे का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का ५४वां संस्करण २० से २८ नवंबर तक गोवा में आयोजित होने वाला है और इसमें भारत और दुनिया भर के बेहतरीन समकालीन और क्लासिक सिनेमा का प्रदर्शन किया जाएगा।

फिल्म 'सैम बहादुर' का टीजर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की आने वाली फिल्म सैम बहादुर का टीजर रिलीज हो गया है देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकश पर फिल्म सैम बहादुर बनाई जा रही है। इस फिल्म में सैम मानेकश का किरदार विक्की कौशल निभा रहे है। फिल्म सैम बहादुर का जबरदस्त टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में विक्की कौशल के अलावा सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख भी नजर आ रही हैं। फातिमा सना शेख फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में हैं।टीजर की शुरुआत में विक्की कहते हैं, एक सोल्जर के लिए उसकी जान से ज्यादा कीमती होती है उसकी इज्जत, उसकी वर्दी, और एक सोल्जर अपनी वर्दी की इज्जत के लिए अपनी जान भी दे सकता है।

एक सीन में इंदिरा गांधी ,सैम से कहती हैं, सोल्जर्स की ड्यूटी है अपने देश के लिए जान देना। इस पर सैम बहादुर कहते हैं, सोल्जर्स की ड्यूटी है देश के लिए दुश्मन की जान लेना। सैम बहादुर फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। इस फिल्म को र नी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है।यह फिल्म एक दिसंबर २०२३ को रिलीज होगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
l t ; ckt ib
lhrkiqj
ek-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk d[ekj] fcgkj
ek-09386075289
मो० अरशद
C;qjk phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक